CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 136 □ रायपुर, मंगलवार 9 जून 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

सरकार का बड़ा फैसला: सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों की संख्या 9 से घटाकर 4 की

नई दिल्ली, 9 जून (न्यूज चैनल)। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सालाना मिलने वाले सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों की संख्या घटा दी है। इसे नौ से घटाकर चार कर दिया गया है। यह बदलाव औसत घरेलू खपत के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खाना पकाने वाली गैस की बढ़ती कीमतों और सब्सिडी पर होने वाले ज्यादा खर्च को देखते हुए यह फैसला लिया गया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी प्रवीण मल खनूजा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि बदली हुई सीमा मोटे तौर पर उज्ज्वला लाभार्थियों की औसत सालाना खपत को दिखाती है।

खाई में गिरी बस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी, 2 की हालत गंभीर

बिलासपुर, 9 जून (हाईवे चैनल)। जशपुर जिले में मंगलवार को बेकाबू बस हादसे का शिकार हो गई है. सुरंगपानी से यात्रियों को लेकर निकली बस अचानक खाई में जा गिरी. घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया. कुछ लोगों के चोटिल हुए हैं. फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. घटना बागबहार थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह ओम ट्रैवल्स की बस सुरंगपानी से यात्रियों को लेकर पथलगांव जा रही थी. इसी दौरान खाडामाचा पहुंचने के दौरान बस अनियंत्रित हो गई. जिसके बाद सीधे नीचे खाई में जा गिरी. हादसे के वक्त बस में 15 यात्री सवार थे, जिनमें से 2 लोगों को गंभीर चोट आने की खबर है. राहत की बात है कि अबतक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. हादसे की सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है. स्थानीय लोग के साथ लोगों की बाहर निकलने में मदद कर रहे हैं. वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया गया है. हादसे के कारणों की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से अब सीधे सीएम विष्णुदेव साय तक पहुंचेगी आपकी आवाज

जनता की समस्याओं का होगा समाधान

रायपुर, 9 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में आम जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर राज्य सरकार एक नई पहल शुरू करने जा रही है। नागरिकों को अपनी शिकायतें सीधे शासन तक पहुंचाने के लिए आज मंगलवार से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंत्रालय स्थित महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इस सेवा का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने हेल्पलाइन कॉल सेंटर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के लोग विभिन्न सरकारी सेवाओं से जुड़ी शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकेंगे। सफाई व्यवस्था में लापरवाही, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पुलिस कार्रवाई में देरी, सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और अन्य जनहित से जुड़े मामलों की शिकायतें इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा सकेंगी। सरकार ने शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। नागरिक टोल-फ्री नंबर 1076 पर कॉल करने के साथ-साथ वेब पोर्टल, मोबाइल एप्लीकेशन और व्हाट्सएप चैटबॉट के जरिए भी अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे। शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी प्रगति और निराकरण की स्थिति भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी। राज्य सरकार का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य केवल शिकायतों का पंजीकरण करना नहीं, बल्कि तय समयसीमा में उनका प्रभावी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। इससे शासन और आम जनता के बीच संवाद मजबूत होने के साथ प्रशासनिक जवाबदेही भी बढ़ेगी।

साय कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसलों पर हो रही चर्चा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की महत्वपूर्ण बैठक जारी है। बैठक में प्रदेश के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रशासनिक सुधारों और विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की जा रही है। राज्य हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर फैसले लिये जा सकते है। कैबिनेट बैठक के बाद लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी आधिकारिक रूप से जारी की जाएगी। प्रदेश की जनता और विभिन्न वर्गों की नजरें इस बैठक से निकलने वाले निर्णयों पर टिकी हुई हैं।

एनडीए सरकार के 12 साल पीएम मोदी ने बनाया सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 9 जून (न्यूज चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजाद भारत में सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर बने रहने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. वो देश के सबसे लंबे कार्यकाल तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं. 9 जून 2024 को ही उन्होंने एनडीए के तीसरे कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली थी और उनके सत्ता में रहने के 12 साल भी आज पूरे हो रहे हैं. पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और आज 9 जून 2026 तक उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गए हैं. अब वो सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की 10 जून को बैठक होगी और इसमें एकजुटता दिखाने के साथ शक्ति प्रदर्शन होगा. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू एक प्रस्ताव रखेंगे. अन्य सहयोगी दलों के नेता प्रस्ताव का समर्थन करेंगे . प्रस्ताव में बतौर प्रधानमंत्री पिछले बारह साल की उपलब्धियों का जिक्र किया जाएगा। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 13 मई 1952 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी. नेहरू लगातार 4397 दिन यानी 12 साल 14 दिन तक प्रधानमंत्री रहे थे. पीएम मोदी ने 9 जून को सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री का नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया. निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 4398 दिन यानी 12 साल 15 दिन पूरे कर लिए हैं. नेहरू हालांकि 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री बने थे लेकिन 1952 में लोकसभा चुनाव के पहले तक वो पांच साल अंतरिम सरकार के प्रमुख थे. नेहरू तब तक चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नहीं बने थे।

सीएएफ कैंप में जवान ने किया सुसाइड, ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

एसपी ने दिए जांच के निर्देश

कोंडागांव, 9 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां सीएएफ कैंप में तैनात एक जवान ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। मृतक जवान की पहचान जोगेंद्र नेताम के रूप में हुई है। एसपी ने थाना प्रभारी को सभी पहलुओं पर बारिकी से जांच करने के निर्देश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि मृतक जवान जोगेंद्र नेताम फरसगांव इलाके के उरंदाबेड़ा थाना अंतर्गत स्थित सीएएफ कैंप में तैनात था। ड्यूटी के दौरान ही उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी मिलते ही उरंदाबेड़ा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। खून से लथपथ घायल जवान को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद जवान जोगेंद्र नेताम को मृत घोषित कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव एसपी पंकज चंद्रा तत्काल मर्च्युरी पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद मृत जवान के परिजनों से मुलाकात की। शुरुआती जांच और पूछताछ के आधार पर पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया जवान ने निजी कारणों के चलते मानसिक तनाव में आकर यह आत्मघाती कदम उठाया है। एसपी पंकज चंद्रा ने उरंदाबेड़ा थाना प्रभारी को इस पूरे मामले की हर एंगल से बारीकी से जांच करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

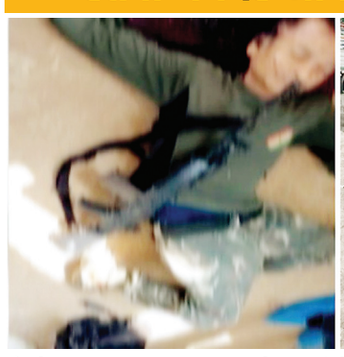

दल से भटके हाथी का आतंक: पति-पत्नी को कुचलकर उतारा मौत के घाट, इलाके में दहशत का माहौल

बलरामपुर, 9 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में जंगली हाथी का आतंक देखने को मिला है, जहां मंगलवार सुबह एक दंतैल हाथी ने पति और पत्नी को कुचलकर मार डाला। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। यह घटना राजपुर वन परिक्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी आज सुबह 5 बजे के आसपास शौच के लिए बाहर जा रहे थे, तभी कुंदी कला गांव के बांधपारा जंगल के पास उनका सामना दल से भटके एक दंतैल हाथी से हो गया। हाथी ने दोनों को देखते ही बुरी तरह से कुचल दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से कल्याणपुर क्षेत्र में पांच हाथियों का दल भ्रमण कर रहा है। इसी दल से भटके दंतैल हाथी ने दंपति को अपना निशाना बनाया। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। साथ ही जांच शुरु कर दी है।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट से दहला खो नागोरियान घर में चल रहा था अवैध कारखाना, 3 की मौत

नई दिल्ली, 9 जून (न्यूज चैनल)। राजधानी जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक घर में संचालित पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने और विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिस मकान में हादसा हुआ, वहां घर के भीतर ही पटाखा निर्माण का काम चल रहा था।

अचानक आग लगने के बाद तेज धमाके हुए, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, सिविल डिफेंस, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने तीन लोगों की जलने से मौत की पुष्टि की है। वहीं पांच घायलों को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल और एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। इनमें से तीन घायलों को एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार ये सभी 50 से 70 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं और उनकी स्थिति मरणासन्न बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, एडीएम और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर मौजूद हैं।

केंद्रीय जेल में 10 दिनों के भीतर तीसरी मौत, सुरक्षा स्वास्थ्य और निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

जगदलपुर, 9 जून (हाईवे चैनल)। बस्तर जिले का जगदलपुर केंद्रीय जेल एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। क्योंकि महज 10 दिनों के भीतर जेल में तीसरी मौत का मामला सामने आया है, जिससे बंदियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, सुधु कश्यप को अक्टूबर 2025 में बीएनएस की धारा 64(1) के तहत सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी। सजायाफ्ता बंदी सुधु कश्यप को तबीयत बिगड़ने और रक्तचाप बढ़ने के बाद 6 जून को मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान 7 जून को उसकी मौत हो गई। बता दें कि इससे पहले 31 मई को एक विचाराधीन महिला बंदी ने जेल परिसर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं 4 जून को नक्सल प्रकरण में बंद विचाराधीन कैदी रमेश कुंजाम की बाथरूम में गिरने के बाद मौत हो गई थी। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने केंद्रीय जेल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इन मौतों के पीछे की परिस्थितियों की जांच किस दिशा में जाती है और जिम्मेदारियों का निर्धारण कैसे किया जाता है।

लगातार खेतों में जल रहे फसल अवशेष व पराली, आगजनी का खतरा

प्रशासन के बार-बार अपील के बाद भी बाज नहीं आ रहे हैं कुछ किसान, लग सकता है 15 हजार तक जुर्माना

धमतरी, 9 जून (हाईवे चैनल)। गर्मी के चौमासा में आगजनी की घटनाएं काफी बढ़ जाती है ऐसे में जान माल के नुकसान का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इस साल भी इस खतरे से लोग जूझ रहे हैं और उक्त खतरे को कुछ किसानो की लापरवाही कहीं ज्यादा बढ़ा देती है।

ज्ञात हो कि कई किसानों द्वारा खेतों में पराली या फसल अवशेष व झाड़ियों को जला दिया जाता है इससे उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत कम हो गई है, लेकिन इसके कई नुकसान भी होते हैं बावजूद इसके कई किसान खेतों में आग लगने से बाज नहीं आते हैं। खेतों में आग लगाने के बाद आज हवा के साथ आसपास हुआ दूर तक भी फैलने का खतरा बना रहता है चूंकि गर्मी के मौसम में घास पत्ते झाड़ियां आदि भी सुखे होते हैं, वर्षा होती नहीं है, ऐसे में हल्की सी चिंगारी भी बड़ी आगजनी का कारण बन जाती है। इसलिए खेतों में आग लगने से बचने की अपील प्रशासन द्वारा हर वर्ष किया जाता है, लेकिन इसका पालन नहीं हो पाता, इसलिए प्रशासन द्वारा खेतो में पराली जलाने वालों पर जुर्माना वसूलने का प्रावधान किया है। जिसके तहत जानकारी के अनुसार 0.80 हेक्टेयर तक भूमि वाले किसानों पर 2500 रुपये, 0.80 से 2.02 हेक्टेयर तक भूमि वाले किसानों पर 5000 रुपये और 2.02 हेक्टेयर से अधिक रकबे वाले किसानों पर 15 हजार रुपये तक का अर्थदंड लगाया जाएगा। पिछले कुछ दिनों में जिले के चारों विकासखंडों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे आगजनी का खतरा भी बढ़ गया है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने के बजाय वैकल्पिक उपाय अपनाएं, जैसे कि फसल अवशेषों का उपयोग खाद निर्माण, पशु चारे या अन्य कृषि उपयोग में करना।

पर्यावरण प्रदूषण का बनता है कारक: पराली जलाने से पर्यावरण को भी भारी नुकसान होता है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और आसपास के क्षेत्रों में धुएं की

पर्यावरण प्रदूषण के साथ ही मिट्टी की उपजाऊ क्षमता भी होती है प्रभावित

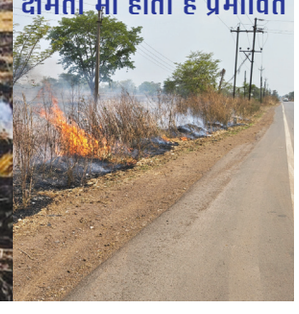

पराली जलाने उपजाऊ, उपरी परत को भारी नुकसान

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि पराली जलाने से खेत की उपजाऊ ऊपरी परत को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इससे मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरक क्षमता कम हो जाती है। इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ता है। एक टन पराली जलाने से लगभग 5.5 किलो नाइट्रोजन, 2.3 किलो फास्फोरस, 25 किलो पोटाश और 1.2 किलो सल्फर नष्ट हो जाता है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती है और किसानों को आगे अधिक मात्रा में रासायनिक खाद का उपयोग करना पड़ता है।

सड़क हादसे में युवक की मौत से नाराज ग्रामीणों ने वाहनों में की तोड़फोड़

एंबुलेंस चालक और एसआई घायल

रायपुर/धमतरी, 9 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के उमर्दा गांव में सड़क हादसे में एक युवक की मौत के बाद जमकर हंगामा देखने को मिला। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने का विरोध करते हुए ना सिर्फ 112 वाहन और निजी एंबुलेंस में तोड़फोड़ की बल्कि हाथापाई भी की। इस घटना में एंबुलेंस चालक और एक एसआई के घायल होने की खबर है।

बताया जा रहा है कि भैंसमुडा निवासी लीलाराम साहू अपने एक साथी के साथ देर रात मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में लीलाराम साहू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आक्रोशित होकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर 112 वाहन वंदे मातरम सेवा परिवार की निजी एंबुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने शव उठाने नहीं दिया। इस दौरान एंबुलेंस चालक से हाथापाई की गई और वाहन को भी नुकसान पहुंचाया गया। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंचे पुलिसकर्मियों को भी ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा।

CMYK